directors in public sector banks and financial institutions has been reviewed. The composition of the Appointments Board, which functions under the Chairmanship of Governor, Reserve Bank of India, has been broad-based to provide representation to independent, professional experts on the Board. Procedures for verifying the integrity and antecedents of appointees has been made more elaborate and rigorous. The process of improving procedures is a continuous one.

रेशमी धागे का उत्पादन और खपत

*130. **श्री गोपाल सिंह जी० सोलंकी:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुजरात में जिले-वार कितने हथकरघों और विद्युत-करघों पर केवल रेशम की बुनाई की जाती है;

(ख) इस समय राज्य-वार कितने रेशम बुनकर है;

(ग) इन बुनकरों द्वारा गत तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष और राज्य-वार कितनी मात्रा में रेशमी कपड़ा तैयार किया गया है;

(घ) देश में प्रति वर्ष उत्पादित रेशमी कपड़ों में कितनी मात्रा में रेशमी धागे की खपत होती है; और

(ङ) क्या सरकार द्वारा रेशम बुनकरों को कोई विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ):

(क) गुजरात सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार गुजरात में ऐसे हथकरघों तथा विद्युतकरघों की जिला-वार संख्या जहां केवल रेशम ही बुनी जाती है, निम्न अनुसार है:—

क्रम सं०	जिला	हथकरघों की संख्या
1.	सुरेन्द्रनगर	150
2.	राजकोट	570
3.	महसाणा	100
4.	खेड़ा	300

क्रम सं०	जिला	विद्युतकरघों की संख्या
1.	सूरत	131

(ख) एक विवरण-पत्र-I संलग्न है। **(नीचे देखिये)**।

(ग) एक विवरण-पत्र-II संलग्न है। **(नीचे देखिये)**।

(घ) केन्द्रीय रेशम बोर्ड के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1993-94 तथा 1994-95 के दौरान देश में रेशम कपड़े को तैयार करने के लिए प्रयुक्त किए गए रेशम यार्न की मात्रा क्रमशः 19350 मी० टन तथा 20183 मी० टन होने का अनुमान है।

(ङ) सरकार द्वारा रेशम बुनकरों को प्रत्यक्ष रूप से कोई विशेष वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जाती है। तथापि, वर्ष 1993-94 से राज्य हथकरघा निगमों तथा राज्य हथकरघा शीर्ष समितियों को राष्ट्रीय रेशम यार्न बैंक योजना के अन्तर्गत इक्विटी के रूप में सहायता प्रदान की जा रही है ताकि हथकरघा बुनकरों को स्थिर कीमतों पर क्वालिटी के रेशम यार्न की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

विवरण-I

केन्द्रीय रेशम बोर्ड के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार इस सदय रेशम बुनकरों की राज्य-वार अनुमानित संख्या निम्न अनुसार है:—

क्रम सं०	राज्य	बुनकरों (रेशम) की संख्या
1.	आन्ध्र रदेश	28279
2.	अरुणाचल रदेश	10
3.	असम	15469
4.	बिहार	8395
5.	गुजरात	2240
6.	हरियाणा	2
7.	हिमाचल प्रदेश	6
8.	जम्मू तथा कश्मीर	391
9.	कर्नाटक	36419
10.	केरल	98
11.	मध्य प्रदेश	3788
12.	महाराष्ट्र	587
13.	मणिपुर	1006
14.	मेघालय	0
15.	मिजोरम	11
16.	नागालैंड	5241
17.	उड़ीसा	4335
18.	पंजाब	0
19.	राजस्थान	15
20.	तमिलनाडु	59967
21.	त्रिपुरा	25
22.	उत्तर प्रदेश	71533
23.	प० बंगाल	21214
24.	गोआ	0
25.	दिल्ली	0
26.	पाण्डिचेरी	69
	कुल	259100

विवरण-II

केन्द्रीय रेशम बोर्ड के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले तीन वर्षों के दौरान रेशम बुनकरों द्वारा निर्मित रेशम कपड़े की राज्यवार तथा वर्षवार अनुमानित मात्रा निम्नानुसार है:—

(रेशम फैब्रिक का उत्पादन-लाख वर्ग मीटर में)

क्रम सं०	राज्य	1992-93	1993-94	1994-95
1.	आन्ध्र प्रदेश	129	134	138
2.	असम	71	73	75
3.	बिहार	62	65	66
4.	गुजरात	1	1	1
5.	जम्मू व कश्मीर	11	11	11
6.	कर्नाटक	912	945	969
7.	मध्य प्रदेश	17	18	19
8.	महाराष्ट्र	3	3	3
9.	मणिपुर	5	5	5
10.	नागालैंड	24	25	26
11.	उड़ीसा	20	21	21
12.	तमिलनाडु	275	285	291
13.	उत्तर प्रदेश	487	505	518
14.	प० बंगाल	97	100	103
	कुल:	**2114**	**2191**	**2247**